वीयू के वन्यप्राणी चिकित्सकों द्वारा किया गया तेंदुए का शव परीक्षण

सागर जिले के ढाना वन परिक्षेत्र के अंतर्गत दिनाँक 08.12.2024 को नेशनल हाइवे 44 पर बरकोटी तिराहा घाटी के पास मृत अवस्था में 1 नर तेन्दुआ पाया गया जो प्रथम दृष्टया सड़क दुर्घटना मृत की संभ्भावना व्यक्त की गयी चूकि वाइल्डलाईफ प्रोटेक्षन के अंतर्गत तेन्दुआ शेड्यूल 1 की श्रेणी में आता है। जिसका शव परीक्षण वेटरनरी के शल्य चिकित्सको के द्वारा किया जाना प्रस्तावित है इसी तारतम्य में 09.12.2024 को प्रातः जहाँ पर नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. मनदीप शर्मा जी के निर्देशन तथा स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर की संचालिका डॉ. शोभा जावरे के नेतृत्व में शव परीक्षण किये जाने हेतु वेटरनरी चिकित्सकों की टीम बनाई गयी। दिनाँक 09.12.2024 को लगभग 4:00 बजे वन विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में पोस्ट मार्टम संपन्न कराया। इस षव परीक्षण में मुख्यतः स्कूल आफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर के वेटरनरी चिकित्सकों मे क्रमशः डॉ. काजल जादव और डॉ. अमोल रोकड़े के द्वारा किया गया। शव परीक्षण के दौरान गहन जॉच कर पुनः शव को अंगो सहित वन परिक्षेत्र अधिकारी को वापस किया गया।